

विषयानुक्रम

पुरोवाक्	iii
प्रस्तावना	v
१. संस्कृत भाषा का विश्व में स्थान	१
२. संस्कृत-शिक्षक से अपेक्षाएँ	१७
३. संस्कृत-शिक्षण की समस्याएँ और समाधान	२४
४. संस्कृत भाषा-शिक्षण के सिद्धान्त	३७
५. क्रियात्मक संस्कृत-शिक्षण का स्वरूप	४१
६. संस्कृत भाषा-शिक्षण एक क्रियात्मक कौशल	४९
७. संस्कृत-शिक्षण के उद्देश्य एवं शिक्षण में छात्रों की सक्रिय भागीदारी से विकसित अपेक्षित परिवर्तन	८६
८. शिक्षक-क्रिया और छात्र की स्वक्रिया पर आधारित संग्रन्थन प्रणाली	९८
९. क्रियात्मक संस्कृत शिक्षण में मौखिक शिक्षण	१०७
१०. क्रियात्मक संस्कृत-शिक्षण के लिए अपेक्षित पाठ्यवस्तु	११२
११. संस्कृत गद्य-शिक्षण एवं पाठयोजना	११९
१२. संस्कृत कविता-शिक्षण एवं पाठयोजना	१३२
१३. क्रियात्मक संस्कृत-शिक्षण का मुख्य आधार—रचना शिक्षण	१४३
१४. क्रियात्मक संस्कृत-शिक्षण में दृश्य-श्रव्य साधन	१५३

१५.	क्रियात्मक संस्कृत-शिक्षण में अभिनव प्रयोग	१५९
१६.	खेल-खेल में संस्कृत-शिक्षण	१६४
१७.	संस्कृत इकाई पाठ-योजना	१७१
१८.	संस्कृत में न्यूनतम अधिगम स्तर	१८५
१९.	संस्कृत-शिक्षण में मूल्यांकन	२००
२०.	क्रियात्मक संस्कृत-शिक्षण में श्यामपट्ट का प्रयोग	२०९
२१.	क्रियाशील विद्यालय	२१४
२२.	प्रोजेक्ट पद्धति	२१६
२३.	उपसंहार	२२१